सम्बन्धी अध्ययन अभी जारी है । मिलिटरी सेविवर्ग के लिये पौष्टिक आवश्यकता के उचित मानदण्ड का निर्णय तभी किया जायगा, जब यह अध्ययन पूरे हो जायेंगे ।

तथापि दो शरद ऋतुओं में बर्फ से घिरे ऊंचे स्थानों पर की गई क्षेत्र-पूछ ताछ के फलस्वरूप राशन के पैमाने में कुछ परिवर्तन किये गये थे और इन स्थानों के लिए एक विशेष पैमाना बनाया गया था ।

(ख) जैसे ऊपर बताया गया है, जांच जारी है ।

†[THE DEPUTY MINISTER OF DEFENCE (SHRI K. RAGHURAMAIAH): (a) The studies of metabolic effects at high altitude in snow bound areas, climatic conditions are still in progress; a proper standard of nutritional requirement for the military personnel will be arrived at only when these studies are completed.

However, as a result of field enquiries carried out during two winters at high altitude in snow bound areas, certain revisions in the ration scales were made and a special scale was drawn up for these areas.

(b) As stated above, the experiments are still in progress.]

SETTING UP OF OIL REFINERIES

705. SHRI B. C. NANJUNDAIYA: Will the Minister of STEEL, MINES AND FUEL be pleased to state:

(a) the number of oil refineries proposed to be set up during the Second Plan period; and

(b) the places where they will be set up?

THE MINISTER OF MINES AND OIL (SHRI K. D. MALAVIYA): (a) and (b). The matter is under consideration.

भारत का अन्तर्राष्ट्रीय भू-भौतिकी वर्ष के समारोहों में भाग लेना

७०६. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या अन्तर्राष्ट्रीय भू-भौतिक वर्ष के समारोहों में भारत भाग ले रहा है ? यदि हां, तो इसमें कौन कौन विशेषज्ञ भाग लेंगे, वह कितनी अवधि के लिये बाहर जायेंगे और उनका कार्यक्रम क्या है ?

†[INDIA'S PARTICIPATION IN THE INTERNATIONAL GEOPHYSICAL YEAR CELEBRATIONS

706. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of EDUCATION AND SCIENTIFIC RESEARCH be pleased to state whether India is participating in the celebrations of the International Geophysical Year? If so, what are the names of the experts who will participate in it, for what period they will be going out and what is their programme?]

शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री (मौलाना अबुल कलाम आजाद): पूछी गई सूचना का विवरण साथ लगा हुआ है । (देखिये परिशिष्ट १८, अनुबन्ध संख्या ७५)

†[THE MINISTER OF EDUCATION AND SCIENTIFIC RESEARCH (MAULANA ABUL KALAM AZAD): (a). A statement giving the required information is attached. (*See* Appendix XVIII, Annexure No. 75.)]

भारत इलैक्ट्रोनिक्स (प्राइवेट) लिमिटेड द्वारा निर्मित सामान का स्तर

७०७. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत इलैक्ट्रोनिक्स (प्राइवेट) लिमिटेड के द्वारा निर्मित सामान को परीक्षणों और क्षेत्रान्वीक्षा के बाद किस श्रेणी का पाया गया ; और

†[ ]English translation.

(ख) इन में से कितनी वस्तुएं अन्तर्राष्ट्रीय मानक के अनुरूप पाई गई और कितनी उससे नीची ?

†[STANDARD OF EQUIPMENT MANUFACTURED BY THE BHARAT ELECTRONICS (PRIVATE) LTD.

707. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) the standard of the equipment manufactured by the Bharat Electronics (Private) Limited as ascertained by tests and field trials; and

(b) the number of items found conforming to the international standard and those found below it?]

प्रतिरक्षा उप मंत्री (श्री के० रघुरमैया) : (क) भारत इलैक्ट्रोनिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित साजसामान, जैसा कि जांचों और क्षेत्र-निरीक्षणों द्वारा निश्चित किया गया है, आर्डर देने वालों के ब्योरे-सहित वर्णन की कसोटी पर पूरा उतरा है ।

(ख) निर्माण हो रहे साजसामान का अंश होने वाले केवल कुछ अंगों के बारे में ही अन्तर्राष्ट्रीय मापदण्ड है । ऐसे अंग, जो भारत इलैक्ट्रोनिक्स द्वारा निर्माण किये जाते हैं, अन्तर्राष्ट्रीय मापदण्डों पर पूरे उतरते हैं ।

†[THE DEPUTY MINISTER OF DEFENCE (SHRI K. RAGHURAMAIAH): (a) The standard of equipment manufactured by Bharat Electronics Limited as ascertained by tests and field trials has come up to specifications prescribed by indentors.

(b) International standards exist only in respect of certain components forming part of equipment under production. Such components as are manufactured by Bharat Electronics are upto International standards.]

क्षेत्रीय संस्कृति के अध्ययन के लिये अनुदान

७०८. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्रालय के १९५६–५७ के प्रतिवेदन के पृष्ठ ८६ पर प्रथम पैरा को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कितने विश्वविद्यालयों को क्षेत्रीय संस्कृति के अध्ययन के लिये अनुदान दिये गये हैं और उन में से प्रत्येक को कितना कितना अनुदान दिया गया है ; और

(ख) क्या सरकार को इस कार्य के संबंध में उन विश्वविद्यालयों से प्रतिवेदन प्राप्त हो चुके हैं ; और यदि हां, तो इस संबंध में अब तक क्या प्रगति हुई है ?

†[GRANTS FOR REGIONAL CULTURAL STUDIES

708. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of EDUCATION AND SCIENTIFIC RESEARCH be pleased to refer to the first para at page 86 of the Report of the Ministry of Education and Scientific Research for 1956-57 and state:

(a) the number of universities in the country which have been given grants for regional cultural studies and the amount of grant given to each of them; and

(b) whether Government have obtained reports from those universities about this work; and if so, what progress has so far been made in this connection?]

शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्रालय के राज्य मंत्री (डा० के० एल० श्रीमाली) : (क) कोई नहीं । परन्तु विश्वविद्यालय के एक प्राध्यापक को अनुदान दिया गया था । यूनेस्को उस की भारत से अमरीका तक की वापसी यात्रा का खर्चा देगी और हर महीने

†[ ]English translation.